क्रूज हादसा 13 मौतों पर बर्खास्तगी, निलंबन रहम जैसा, असली चेहरे भी हो बेनकाब , गुनहगारों की लापरवाही उजागर, अब एफआईआर की भी तैयारी

बरगी बांध क्रूज हादसा : चाचा, भतीजे का शव भी मिला

जबलपुर। बरगी क्रूज हादसे का शिकार हुए चाचा-भतीजे का शव भी रविवार को मिल गया । सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ होमगार्ड, पुलिस की सर्चिंग के दौरान सुबह करीब 6 बजे 9 वर्षीय मयूरन और सुबह करीब साढ़े नौ बजे वेस्टलैण्ड खमरिया निवासी कामराज का बरामद कर लिया गया । इसके साथ ही मृतकों की संख्या 13 पहुंच गई और सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हुआ। वहीं 13 मौतों पर बर्खास्तगी और निलंबन की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। ये कार्रवाई रहम जैसी लग रही है । छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई औरवास्तविक जिम्मेदार अधिकारियों पर पर्दा डालने जैसा लग रहा है । असली चेहरे बेनकाब हो। जब हादसे में लापरवाही उजागर हो चुकी है तो जिम्मेदार किस बात का इंतजार कर रहे है ये समझ से परे है। जबकि मप्र पर्यटन निगम की लापरवाही उजागर हो चुकी है। क्रूज में लाइफ जैकेट समय पर पर्यटकों को मुहैया नहीं होना, मानकों, नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। क्रूज जब डूबने की कगार पर पहुंचा तब लाइफ जैकेट बांटी गई। आरोप यहां तक लग चुके है कि क्रूज समेत वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का संचालन तो हो रहा था, लेकिन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। गाइडलाइन के साथ नियमों को ताक में रखा गया ।

सबसे सुरक्षित का दावा तो कैसे डूबा, येलो अलर्ट में किसके कहने पर हुआ संचालन

जानकारों की माने तो जिस क्रूज में हादसा हुआ इसे मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने लिया था, क्रूज की 80 यात्री क्षमता थी। लोअर डेक एयर कंडीशनर था, जिसमें 30 यात्री सवार हो सकते थे। अपर डेक (खुला) की क्षमता 50 यात्रियों की थी। 19 वर्ष से लगातार चल रहा था। बरगी बांध में डूबा कूज फाइबर रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक (एफआरपी) का था। क्रूज का दो वर्ष जुलाई, 2024 में पूर्ण रखरखाव किया गया था। इस क्रूज को वर्तमान में देश में प्रचलित क्रूजों में सबसे सुरक्षित माना जाता है। क्रूज क्रय करने की प्रक्रिया और संचालन को लेकर व्यवस्था पर्यटन विभाग मुख्यालय अपने स्तर पर करता है। हादसे के बाद सुरक्षा पर सवाल उठ गए है। तेज लहरों के कारण क्रूज का एक भाग क्षतिग्रस्त हुआ था। सवाल यह उठ रहा है कि जब सबसे सुरक्षित क्रूज होने का दावा रहा था फिर एक झटके में वे कैसे डूब गया। यात्रा शुरू होने से पहले हर यात्री को लाइफ जैकेट देना और पहनाना अनिवार्य है, लेकिन इस नियम का पालन क्यों नहीं किया गया। मौसम विभाग पहले ही येलो अलर्ट जारी कर चुका था उसके बावजूद भी क्रूज का संचालक किसके कहने पर किया गया समेत अनेक सवाल उठ रहे है लेकिन इसका जवाब किसी के पास नहीं है ।

प्रशासनिक लापरवाही सुरक्षा मानकों की अनदेखी से गई पर्यटकों की जान

क्रूज हादसा कोई साधारण दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, गैर-जिम्मेदारी और सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी का परिणाम है। पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस हादसे में कई निर्दोष पर्यटकों की असमय मृत्यु ने न केवल अनेक परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र की गंभीर खामियों को भी उजागर कर दिया है। यह बातें मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, यश लखन घनघोरिया ने कहीं। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं तक उपलब्ध नहीं थीं। पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट नहीं थीं और जो उपलब्ध थीं, उनके सही उपयोग के लिए यात्रियों को कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए। यह एक गंभीर चूक है, क्योंकि जल पर्यटन में लाइफ जैकेट प्राथमिक सुरक्षा उपकरण होता है। इसके अतिरिक्त, मौके पर रेस्क्यू के लिए कोई सहायक सुरक्षा नाव (सपोर्ट बोट) उपलब्ध नहीं थी। क्रूज संचालन से जुड़े स्टाफ को आपदा प्रबंधन या आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का समुचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया था, जिसके कारण हादसे के समय स्थिति और बिगड़ गई। साथ ही, क्रूज के रखरखाव, संचालन प्रक्रिया और बिना टिकट यात्रियों को बैठाने जैसी गंभीर अनियमितताओं पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि खराब मौसम और तेज हवाओं की चेतावनी के बावजूद क्रूज को संचालन की अनुमति दी गई, जो पूर्णत: गैर-जिम्मेदाराना निर्णय था। यह दर्शाता है कि संबंधित विभागों और अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी। जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से विफल है। मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए, ताकि सत्य सामने आ सके। क्रूज संचालन से जुड़े सभी दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित एजेंसियों पर तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। 50 लाख का मुआवजा प्रदान किया जाए तथा परिवार के एक सदस्य को स्थायी शासकीय नौकरी दी जाए। जल पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा कर उन्हें सख्ती से लागू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। यदि ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन करेगा और आम जनता के साथ मिलकर इस लापरवाही के विरुद्ध सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होगा।

कोशिश की, सफल नहीं हो पाए

मुख्यालय अटैच हुए पर्यटन विभाग के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा का बयान सामने आया है उनका दावा है कि क्रूज का संचालक नियमानुसार किया जा रहा था । शाम 5: 25 बजे पर क्रूज निकला था। उस समय मौसम साफ था लेकिन वापिस लौटते समय शाम 6:10 बजे मौसम बिगड़ा। तूफान आया। कैप्टन ने क्रूज किनारे लगाने की पूरी कोशिश की थी लेकिन सफलता नहीं मिल पाई ।

हादसा नहीं, हत्या हुई, मुआवजा नहीं न्याय चाहिए

रविवार को जब कामराज और उसके भतीजे का शव निकाला गया तो परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा वे रोते बिलखते रहे। आक्रोशित परिजनों ने कहा कि यह हादसा नहीं, हत्या है। हमें मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए। जिस हादसे का जिम्मेदार एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट है। उन्होंने सवाल उठाया कि अब तक कितने अफसर गिरफ्तार किए कितने सस्पेंड किए गए। बोट बॉपरेटर कहां है उसे क्यों नहीं गिरफ्तार किया जा रहा है। परिजनों ने यह भी कहा कि कामराज का वेतन एक लाख रूपए था । सहायता राशि नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है हमें मुआवजा नहीं सिर्फ न्याय चाहिए। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हादसा लील गया परिवार

चौथे दिन कामराज का शव मिला वे तिरुची आयुध कारखाने में प्रशिक्षु प्रशिक्षण पूरा किया था और एक साल पहले ही वे जबलपुर आयुध कारखाने में उसकी ड्यूटी लगी थी। मशीनिस्ट के पद पर थे। वे यहां पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। उसका 10 वर्षीय बड़ा बेटा पुविथारन जबलपुर के एक स्कूल में कक्षा 6 में पढ़ाई करता था। गर्मी की छुट्टियां पर जाने के कारण उनकी पत्नी करकुझली ने अपने माता-पिता वदिवेल और मरियम्मल, भाभी सौभाग्या और उनके बच्चों इनिया और मयूरन को जबलपुर बुलाया था तमिलनाडु से उनके सास-ससुर, छोटे भाई, साली और अन्य परिजन आए हुए थे। इसलिए उन्होंने छुट्टी ले ली थी। गुरुवार 30 अप्रैल को सभी लोग घूमने निकले। दोपहर में वे भेड़ाघाट गए। वहां रोप-वे का आनंद लेने के बाद करीब 3:30 बजे बरगी डैम रिजॉर्ट पहुंचे थे और हादसे का शिकार हो गए थे। हादसे के दौरान 10 वर्षीय बेटा पुविथारन लहरों के सहारे किनारे पर आ गया था, जिसे सुरक्षित बचा लिया गया था लेकिन छोटा बेटा श्रीतमिलवेंदन और भतीजा मयूरन समेत खुद कामरान डूब गया था। रविवार को चाचा-भतीजे का शव बरामद हुआ !

जन्मदिन मनाया, लहरें चलीं, क्रूज हिला और डूब गया, रस्सी के सहारे बची जान

हादसे में सुरक्षित बचे दस वर्षीय पूविथरन ने बताया कि जब सफर के लिए क्रूज पर चढ़े थे तब मौसम साफ था। क्रूज पर एक बच्चे का जन्मदिन भी मना । जब वापिस लौट रहे थे तभी तेज आंधी चली। लहरें चलने लगी। लहरों के साथ क्रूज बेकाबू हुआ। हादसे के पहले क्रूज पर केवल बच्चों ने लाइफ जैकेट पहनी थी। जब क्रूज डूबने की कगार पर पहुंचा तब लोगों ने जैकेट पहनना शुरू किया था लेकिन जब तक देर हो गई थी। क्रूज पलटने के बाद वे लहरों से लड़ते हुए किनारे की ओर आ रहा था तभी एक अंकल ने रस्सी फेंकी जिसे पकड़कर उसने अपनी जान बचाई।

खुशियों के सफर का खौफनाक अंत, 4 दिन में 13 लाशें

बरगी बांध में गुरुवार शाम से शुरू हुआ खुशियों के सफर का खौफनाक अंत हुआ है। सैर-सपाटे और हंसी-मजाक के बीच शुरू हुआ क्रूज का कभी न भरने वाला जख्म दे गया है। क्रूज पर सवार पर्यटक जब कुदरत की खूबसूरती और लहरों का आनंद ले रहे थे। क्रूज बांध की लहरों पर हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ा, सभी अपनी मस्ती में डूब गए लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। शाम शाम 5:50 बजे तूफान काल बनकर आया। अचानक आंधी चलने के बाद क्रूज हिलने लगा, निचले हिस्से में पानी भरने लगा। संतुलन बिगड़ा क्रूज एक तरफ झुका और शाम 6 बजे क्रूज चंद मिनट में चीत्कार के बीच डूब गया था। पहले दिन चार तो दूसरे दिन पांच, तीसरे दिन दो, चौथे दिन दो शव निकले। 29 लोगों की किस्मत अच्छी थी जो उनकी जान बच गए थे। इस हृदय विदारक घटना ने हर किसी को झकझोर दिया बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी कटघरे में आ गई। क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त हुई। होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया और रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच किया गया था।

इन्होंने गंवाई जान

हादसे में नीतू सोनी (43) निवासी कोतवाली जबलपुर, सोभाग्यम अलागन (42) निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, टी.के. थाना मुनगर, तिरूपूरूर तमिलनायडू , काकुलाझी (38) निवासी खमरिया, मधुर मैसी (62) निवासी खाजन बस्ती थाना न्यू दिल्ली, त्रिशान (4) निवासी खजान बस्ती नांगल राया, न्यू दिल्ली, मरीन मैसी खजान न्यू दिल्ली, रेशमा सैयद (66) निवासी सिविल लाइन जबलपुर, शमीम नकवी (66) निवासी डेरखी भोपाल, ज्योति श्रीवास (34) निवासी फूटाताल घमापुर जबलपुर, विजरा सोनी निवासी कोतवाली, तमिल निवासी खमरिया एवं 9 वर्षीय मयूरम और 40 वर्षीय कामराज की मौत हुई है।

अमृत भारत रैक के साथ चलेगी दानापुर स्पेशल

जबलपुर, नवभारत। पुणे दानापुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन अब अमृत भारत एक्सप्रेस के रैक के साथ संचालित होगी। जिससे सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया, इटारसी के यात्रियों को अब और सुविधाएं मिल सकेंगी। रेल सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में पुणे-दानापुर के बीच 01449/50 स्पेशल किराया ट्रेन संचालित हो रही है, रेलवे बोर्ड ने इस ट्रेन को अमृत भारत रैक से नियमित रूप से चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 11431/11432 नंबर से साप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन के रूप में चलाई जाएगी। प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार, ट्रेन संख्या 11431 प्रत्येक शनिवार दोपहर 3:30 बजे पुणे से रवाना होकर अगले दिन

सुबह 9.20 बजे जबलपुर पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 11432 प्रत्येक सोमवार 3:30 बजे दानापुर से रवाना होकर अगले दिन शाम 15.55 बजे जबलपुर पहुंचेगी और अगले दिन सुबह 11 बजे पुणे पहुंचेगी।

ट्रेन के ठहराव

इस ट्रेन के प्रमुख स्टॉपेज दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छीओक्की, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर होंगे। ये नई ट्रेन शीघ्र ही चलाई जाएगी।

खाते से उड़ाई रकम

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत आनंद नगर निवासी एक अधेड़ के खाते से साइबर ठग ने रकम पार कर दी । पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक राम प्रताप कुशवाह 50 वर्ष निवासी आनंद नगर धनी की कुटिया के पास ने लिखित शिकायत की कि एक ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुआ है, जिसकी राशि 100096 है। यह वित्तीय धोखाधड़ी मध्य प्रदेश राज्य क्षेत्र में हुई है। किसी व्यक्ति ने ऑनलाइन डर या चोट पहुँचाने की धमकी देकर धोखा दिया है। ठग ने धोखे में रखकर उसकी संपत्ति राशि 100096 हड़प ली है।

सो रहे परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश, घर पर पेट्रोल बम से हमला, एक झुलसा

जबलपुर। मदन महल थाना अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित एक मकान में सो रहे परिवार को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। रविवार तड़के अज्ञात हमलावर ने जान से मारने की नीयत से ज्वलनशील पदार्थ से भरी बोतल (पेट्रोल बम) फेंकी, जिससे घर की छत में भीषण आग लग गई। इस घटना में सो रहा एक युवक बुरी तरह झुलस गया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि रुद्राक्ष बान (20) ज्ञान गंगा कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है, रविवार तड़के करीब 3:30 बजे वह और उसका छोटा भाई शिवांश कमरे में सो रहे थे, जबकि माँ पास ही जमीन पर सोई थीं। तभी

अचानक छत पर आग लग गई। छत सीमेंट शीट और काली पन्नी से ढकी हुई थी। आग लगते ही जलती हुई पन्नी के अवशेष शिवांश के ऊपर गिरने लगे, जिससे उसके पेट, हाथ, सीना और पीठ गंभीर रूप से जल गए।

चीख-पुकार के बीच बुझाई गई आग

शिवांश के चिल्लाने पर परिवार के सदस्य बड़ी माँ मालती बान, बहन कोयल, भाई आयुष और बुआ लता तुरंत मौके पर पहुंचे। घर में कुछ मेहमान सोमतला, प्रीति, निर्मला और हेमा भी रुके हुए थे।

सभी ने मिलकर तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी। घटना में घर का कीमती सामान, कपड़े, बिस्तर और दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं।

कमरे में मिले कांच की बोतल के टुकड़े

आग बुझने के बाद जब परिवार ने पड़ताल की, तो छत और कमरे के भीतर हरे रंग की कांच की बोतल के अवशेष मिले। इससे साफ जाहिर होता है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने रंजिश के चलते बोतल में पेट्रोल ज्वलनशील पदार्थ भरकर, उसमें आग लगाकर घर पर फेंका था।

फ्लाईओवर से हमलावर फरार

घर के ठीक सामने से फ्लाईओवर गुजरता है, जिससे हमलावर को भागने में आसानी हुई होगी। मदन महल पुलिस ने हत्या का प्रयास, समेत अन्य धाराओं के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कर विवेचना शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। घायल युवक का अस्पताल में उपचार जारी है।

उखरी बिजली सब-स्टेशन पर मचाया गया था उपद्रव

जबरन फीडर बंद कर की थी 10 हजार घरों की बिजली बंद, कर्मचारी को भी पीटा था, एफआईआर दर्ज

जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत उखरी क्षेत्र में 2 और 3 मई की दरमियानी रात करीब 12 बजे असामाजिक तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया था। 15 से 20 अज्ञात बदमाशों ने बिजली विभाग के उपकेंद्र में घुसकर न केवल ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी के साथ मारपीट की थी, बल्कि सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए जबरन शहर के चार बड़े फीडरों की बिजली भी बंद कर दी। इस हरकत से करीब 10,000 उपभोक्ताओं को अंधेरे में रहना पड़ा था। इस मामले में रविवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

जानकारी अनुसार 2 और 3 मई की दरमियानी रात करीब 12 बजे मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी (पश्चिम संभाग) के 33/11 केवी उखरी उपकेंद्र में नारायण प्रसाद कोष्टा (50) अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। तभी अचानक 15 से 20 अज्ञात युवक सब-स्टेशन का मुख्य गेट फांदकर अनाधिकृत रूप से कंट्रोल रूम के भीतर घुस आए। कर्मचारी नारायण प्रसाद ने पुलिस को बताया कि अंदर घुसते ही बदमाशों ने अधिकारी को बुलाओ कहते हुए हंगामा शुरू कर दिया था जब उन्होंने रोकने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन पर हाथ-घूंसों से हमला कर दिया था। इस दौरान एक युवक ने पानी भरने वाले स्टील के भारी डंके से कर्मचारी की कोहनी पर जोर से प्रहार किया, जिससे वे घायल हो गए। उनके सिर, पीठ और गालों पर भी गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के बाद बदमाशों ने कंट्रोल रूम के वीसीबी पैनल से छेड़छाड़ की और 33 केवी जबलपुर-2 फीडर को बलपूर्वक बंद कर दिया। इसके चलते यू-1, यू-2, यू-3 और यू-4 फीडरों से जुड़ी बिजली सप्लाई ठप हो गई। जिससे इन फीडरो के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रो के करीब दस

हजार उपभोक्ताओ की विद्युत आपूर्ती बंद हुई। लगभग 20 मिनट तक पूरा इलाका ब्लैकआउट का शिकार रहा, जिसे बाद में घायल कर्मचारी ने हिम्मत जुटाकर बहाल किया। घटना के बाद आरोपी पास के विजय नगर डिवीजन कार्यालय की ओर भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कोतवाली थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

माढ़ोताल बिजली सब-स्टेशन में भी बवाल, ऑपरेटर का अपहरण, कर्मचारियों को पीटा, तोड़फोड़

जबलपुर। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के माढ़ोताल सब-स्टेशन में बीती रात असामाजिक तत्वों ने जमकर तांडव मचाया। बिजली सुधार कार्य के दौरान बिजली बंद होने से आक्रोशित होकर कुछ युवकों ने न केवल ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को डंडों से पीटा, बल्कि कार्यालय में रखे कंप्यूटर और अन्य कीमती उपकरणों को भी चकनाचूर कर दिया। आरोपी एक ऑपरेटर का अपहरण कर जबरन बाइक पर बैठाकर दूसरे सब-स्टेशन ले गए और वहां भी उसके साथ मारपीट की।

पुलिस ने बताया कि सहायक अभियंता संतोष कुमार पुर्ते द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई बीती रात करीब 11 बजे माढ़ोताल सब-स्टेशन में लाइन सुधार का कार्य चल रहा था, जिसके कारण विद्युत आपूर्ति बंद रखी गई थी। सब-स्टेशन पर ऑपरेटर दीपक सोनी, राहुल वर्मा और लाइनमैन भागचंद यादव अपनी ड्यूटी पर तैनात थे।

सब-स्टेशन जला देंगे

अंकित साहू और राजेश यादव अपने साथियों के साथ दफ्तर में घुसे और बिजली बंद होने को लेकर हंगामा मचाया। आरोपियों ने चिल्लाते हुए धमकी दी कि लाइट तुरंत चालू करो, वरना पूरा सब-स्टेशन जला देंगे। इसके बाद आरोपियों ने डंडों से हमला कर ऑपरेटर दीपक सोनी को बुरी तरह पीटा, जिससे उनके सिर, पीठ और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। उपद्रवियों ने कार्यालय में रखे कंप्यूटर के सीपीयू और मॉनिटर को भी डंडे मार-मारकर तोड़ दिया।

10-15 लोगों ने घेरा, अपहरण कर उखरी ले गए

हंगामे के दौरान करीब 10 से 15 अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। जब लाइनमैन भागचंद और राहुल वर्मा ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो भीड़ ने उन्हें भी नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की। इसके बाद आरोपी अंकित और राजेश, घायल ऑपरेटर दीपक सोनी को जबरन अपनी बाइक पर बैठाकर उखरी सब-स्टेशन ले गए और वहां भी उनके साथ मारपीट की गई।

इस सप्ताह में आएगी यूरिया की 2 रैक

जिले में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है खाद

नवभारत, जबलपुर। जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया डबल लॉक केंद्रों, समितियों और निजी विक्रय प्रतिष्ठानों में उपलब्ध है। आने वाले सप्ताह में जिले को यूरिया की अतिरिक्त 2 रैक प्राप्त होना प्रस्तावित है, जिससे उर्वरक की आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उप संचालक कृषि उमेश कटहरे ने यह जानकारी देते हुये जिले के सभी किसानों से असुविधा से बचने के लिये ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही उर्वरक प्राप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताई कि किसान भाई अपने रकबे के आधार पर ई-टोकन प्रणाली से अपने रकबे के आधार पर आवश्यक डीएपी, पोटाश, एनपीके और सुपर फास्फेट की सम्पूर्ण मात्रा अग्रिम रूप से तथा 15 जून के बाद अपनी आवश्यकता के अनुसार यूरिया बुक कर निकटतम समिति, डबल लॉक केंद्र या निजी संस्था से प्राप्त कर सकते हैं।

इतनी उर्वरक उपलब्ध

उप संचालक कृषि ने बताया कि वर्तमान में जिले में 19 हजार 408 मीट्रिक टन यूरिया, 2 हजार 440 मीट्रिक टन डीएपी, 944 मीट्रिक टन पोटाश, 5 हजार 059 मीट्रिक टन एनपीके तथा 9 हजार 337 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है।